

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते
 वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते
 वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते
 वासुदेवाय ॥ ३ ॥

नमो
 भगवते

नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता उपनिषद्सूक्तम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
 श्री कृष्ण दशम स्कंध

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
 किं नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
 धर्मं कर्तुं नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय

श्री कृष्ण

श्री कृष्ण

264



हिंदुं नमः सर्वदुर्गरि यत्ति सद्य नना जायं क था ग का य ॥ क रु द्य र ज स व क
 म म धु रं लि उ वी त्वा मः म ध ॥ क षा कि र म ध य क मा क र्थ वा कं का र य क ॥ जि
 य ज म क मा णिः ज म य कः ज म क न क रः ज म क या गः ज म वा ल स व
 ज म क लो सि ग कः ज म म सिः य थ कः क था म का य व वा धी स त्व च यी क र सि
 व द्य रु ग डो दि ४ मा का य रु ति य व ग नु रु ४ स द्य य व व रु ४ स द्य नि क रु ४
 य व की रि य व ल श स य ण ल ग क दी द्य ग क रु म न म ध्या या यः क ण ण ण

मयि विदुः ॥ ॥ कर्मदा कनसेययश्वली स्वधादं वरवारयसा ॥ २ ॥ उद
 हायाथायुयि यद्यस्वधादं ॥ ४ ॥ वरवारयसा ॥ ४ ॥ उद वरवारयसा ॥ ४ ॥
 लाहाकं यनजुधि यहायव केया के कालवय के ॥ ४ ॥ ३ ॥ उद नभारुगणकः स
 वदगति यलिमा धन लाजा यनं वा काया हं ए संभ कर्म वधा य कदाय ॥ स्वध
 यश्वि स्वध यहा श्ववया यवि स्वध हा ॥ ४ ॥ उद वरवारयसा ॥ ४ ॥ उद वरवारयसा ॥ ४ ॥
 हाव कर्म विलन विहा धन लाहा ॥ ४ ॥ ४ ॥ उद वरवारयसा ॥ ४ ॥ उद वरवारयसा ॥ ४ ॥

चनीर्यचिह्नकः कुरु सर्वकर्मविबलविश्वधनस्रष्टा ॥४६॥ ४६ उमाद्यैयकि
हृदयसर्वकर्मकृती कुरु कुरु ॥४७॥ ४७ उमाद्यैयकि
॥४८॥ ४८ उमाद्यैयकि ॥४९॥ ४९ उमाद्यैयकि ॥५०॥ ५० उमाद्यैयकि
मकारुवा ॥५१॥ ५१ उमाद्यैयकि ॥५२॥ ५२ उमाद्यैयकि ॥५३॥ ५३ उमाद्यैयकि
कुरु कुरु ॥५४॥ ५४ उमाद्यैयकि ॥५५॥ ५५ उमाद्यैयकि ॥५६॥ ५६ उमाद्यैयकि
संकाययवकाहिलिखादा ॥५७॥ ५७ उमाद्यैयकि ॥५८॥ ५८ उमाद्यैयकि ॥५९॥ ५९ उमाद्यैयकि

सयकलिवाकन ॥६०॥ ६० उमाद्यैयकि ॥६१॥ ६१ उमाद्यैयकि ॥६२॥ ६२ उमाद्यैयकि ॥६३॥ ६३ उमाद्यैयकि
कोरुनवकिनी कुरुवा ॥६४॥ ६४ उमाद्यैयकि ॥६५॥ ६५ उमाद्यैयकि ॥६६॥ ६६ उमाद्यैयकि ॥६७॥ ६७ उमाद्यैयकि
जाया मधुवाग लय ददाय ॥६८॥ ६८ उमाद्यैयकि ॥६९॥ ६९ उमाद्यैयकि ॥७०॥ ७० उमाद्यैयकि
अधुवद कुरु कुरु ॥७१॥ ७१ उमाद्यैयकि ॥७२॥ ७२ उमाद्यैयकि ॥७३॥ ७३ उमाद्यैयकि ॥७४॥ ७४ उमाद्यैयकि
आमि अदि दायुवा नला ॥७५॥ ७५ उमाद्यैयकि ॥७६॥ ७६ उमाद्यैयकि ॥७७॥ ७७ उमाद्यैयकि ॥७८॥ ७८ उमाद्यैयकि
गका सर्वमी ॥७९॥ ७९ उमाद्यैयकि ॥८०॥ ८० उमाद्यैयकि ॥८१॥ ८१ उमाद्यैयकि ॥८२॥ ८२ उमाद्यैयकि

[illegible][illegible]

लसः अमक वासि ग रं द म सिः ॥ १ ॥ अ क क थ ग ना य र्वा धि धी ला य
यो च र री व द्ध रु ग डारि ॥ २ ॥ मा ना य र्वा य व ग भ श्या ॥ ३ ॥ स य क्षि य र्वा य
वा वा रि द्वा भा रु को सी य ॥ ४ ॥ ला ला को रु ॥ ५ ॥ ग रः अ म क ना म ध्र या यः य
का रा का ल्थ श्या क स व रा सा व र्वा ल क यि द ॥ ६ ॥ स यि को ध्र द का स व व ना स
॥ ७ ॥ स मी सा स र्वा का य द ध्र यः स वा य क ल न र्वा रि वा ॥ ८ ॥ स र्वे वा सि धी
क व डि का यि द द क र द ला मि री य य ध्र यदि य रा द व न वि द्रा दि री य का

दि द म कः अ म क ना म ध्र या यः न ग सा व र्वा ली क यि द र्वा य य य मि ध्र
॥ १ ॥ अ य य य य र्वा क ॥ २ ॥ स यौ द्वा य स य ध र व वा क र्वा र्वा रि थ या स र
स र्वा वा क न क न मा य ॥ ३ ॥ अ वा स र्वा क ल द्वा रा अ य रा अ र ना द वा ॥ ४ ॥ अ द र
वा वि र्वा य र्वा र्वा ल ला ल क क र म र्वा ॥ ५ ॥ अ मी द र्वा ल क य क यी य रा रि व म
स्वा र्वा रि र्वा वि क ल यि ध्र स र्वे ध्र रु कानि वा सि ना नी स र्वे व र य र्वा ल र्वा
ना नी वि क र यि ध्र मा ग र्वा र्वा ना य र्वा र्वा न का क य र्वा य र्वा रि स र्वा

ॐ ॥ श्रुवाक अक्षो कवि धर्म ल सशा ॥ ईनि शोद क आचमनः आचमन यनि
 र गी द्रु का ॥ भ सो र क याल य न दाय ॥ ई नम स व ३ ग्र कि य वि स्व द न बा जा य
 क था म का या द य स भ क ही द दायः क द्रु था ॥ ई स्व द न २ वि द्या द
 ॥ १ स व या य वि द्या द नः स व या णु द वि णु द दि व रा कः ॥ अ म क ना म
 द या यः स व क र्म व न वि स्व ध ल ग्या ला ॥ २ ॥ ३ ॥ ई की क नि २ शार
 नि शि ॥ ला ख नि श य कि रुः द न २ स व क र्म वि स्व द न द्या द्या ॥ ४ ॥ ५ ॥

[illegible]

सयखाहा॥ अ० ॥ ॐ सर्वविकः यज्ञया लमिका यज्ञामयसमद कर्त्तुं समयभाधा॥
 न॥ ॐ सर्वविक वरुने विद स्र धा॥ नैवि द॥ ॐ सर्वविकः जाति लरुवा यभा धा॥ ॐ
 ॐ स॥ ॐ सर्वविक वरु जाल रुवा य स्र धा धा वरु ल॥ ॐ सर्वविकः कौ वरि रुवा य स्र धा॥
 मुसि॥ ॐ सर्वविक वरु क वृ वि लरु य स्र धा॥ कन॥ ॐ सर्वविकः वरु वि क रू य लरु ला य
 स्र धा॥ द॥ ॐ सर्वविक वरु द ध लरु य स्र धा॥ लाया द॥ ॐ सर्वविकः वरु नी वा लाय
 धा॥ ॐ सर्वविक वरु ध य ल॥ ॐ सर्वविकः दि य स्र धा॥ म॥ ॐ

सर्वविक वरु य क का य स्र धा॥ म॥ ॐ यो दि हा व लरु य का रु का य य हा ल य ज॥ ॐ
 सर्वविकः यान या लमिका यज्ञामयसमद कर्त्तुं समयभाधा॥ ॐ सर्वविकः श्री ल य लमिका य
 ज्ञामयसमद कर्त्तुं ॥ ॐ सर्वविकः कौ जा नी या वमिका यज्ञामयसमद कर्त्तुं ॥ ॐ
 सर्वविकः वि ज या लमिका यज्ञामयसमद कर्त्तुं ॥ ॐ सर्वविकः द ग कि य वि हा द
 न य स्र या वमिका यज्ञामयसमद कर्त्तुं ॥ ॐ सर्वविकः द म २ ध य य २ स्थान या व
 मिका यज्ञामयसमद कर्त्तुं ॥ ॐ सर्वविकः ह ना ली क क वि य नि मि या वमिका य

[illegible]

छाकसिंहनमस्तुमिः सुधवकिनिमर्चः सीवद्वृक्षुरिकाक्षः सवहसवदसि॥सर्गचक्र
 रुदसाकारः छाकसिंहनमामिहं। अनामजार्हः कौलनकमनाः रुयवृक्षा नवि नाल्यक्ष
 काः दक्षिणमः जगन्नादि नायिमावयसत्वा चरुद्रः खयिदिना॥निर्ह्यं अकवा यक्षम
 का वृक्षा यल्लि॥मिर्गः यविना मयामि॥ कक्षयव कलि हासु जानकः चखहायक
 ॥ वाक॥ आद्य अकमासः अमृक यक्षः अमृकशीकिथाः अमृकनक्षत्र॥ अमृकजा
 ताः अमृकवाचसूः अमृकवाधिगनसवि कुः अमृकवाचवदमणि॥ यत्थाकनक्षत्राणि

गीः यववाधिसल्ल उया उवलि वद्वरु ग डारि ४ मा नी ना यवयवगारि ४ स्यद
 यवद्वरुः सा यद्विद्वरु यवगारि धारवधनः का यव स्यात्मा के आरिद डारि
 उम के धम मधु या य ॥ का यव ॥ जा व क स व रं त्या ४ स ल वी ग ह वः धी गिदिह
 ॥ जेद जा वाः उ ना य जा वाः धी ल व जा वाः उ या द का वाः यी य ना वा ॥ अ य
 ला वाः मी गी द मीः उ द जा वाः डी सौ य जा वाः ना वा अ धी गी ना वा न य धी गी ना
 वाः ना स गी ला वाः म व रु म य म रु म द म ना य य व कि मू वा ॥ ला व न क ॥ क र्वा

मिथुमस्तथा लाहृत्वा धनं च क्षीनं दि॥ न च स्यात्तु भीषणं तैः के वद य न म्मा म्मे॥
 निच या निः उर्या मिमः युता द वा म् म्मा ग मा ४। ई लि नू रु डा नि ता नं ० नि
 व दे यु न भ दे॥ उर्या चा दे॥ व ग म्म न क म्मा रु॥ रु ध य व द्वा न वि च भा का द्वा
 ये ध म्मा उ ग म्मा मा रु का यः भा या य रु द्वा दे ह् ३४ रु यि दि ता॥ नि रु म नू क मा
 यो॥ म्मा क ही व द्वा॥ क थ दे॥ य नि न म्मा क॥ य नि ना म्मा य मि॥ उ र्या रु यि दि
 ॥ अ य उ ध म्मा॥ उ र्या क रु द्वा

जगन्नाथ

264

गोमन्त्र तथा नमो

नमो

जग

श्रीगोत्राय नमः

जगन्नाथ
नमो

नमः

सद्विद्वान्नाथाय नमः

श्रीगो

सर्वत्र ६२२ मा

श्रीगो नमः ६२३ व
सावधानि

१ ॐ नमो भद्रनाथाय संकृष्टाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

यदि वनिजाय यति

श्रीमच्छ्रीगणेशाय नमः

अथ

नकास

जय

सर्वत्र ६२२ मा

श्रीगणेशाय नमः

वागवट

कनक

श्रीगणेशाय नमः ६२३ व

ॐ नमो

क
रुसुदनेसुक्सात्रविचित्रयद्दृष्टं सनाययसुगमसंययत्रिकम
हयायनायग्राविपूजसायमहानिष्पन्नकनात्रनिवयत्रिकस
नरुववृत्तसुहृयनामनकिं वदुयायकसुगमात्रवसुधीना
वैसृष्टग्रीवांवागंनथाभकवाटियायोसुगमसुहृष्टयाकमु
कवावैवमयकिं सुनवायाया ॥ सुयिकुवासाया ॥ १ ॥

मीमनुययत्रिकमर्थयकवाजीवालया ॥ कथागानस्रायगनार्क
मागानहवायायमासंयमहोक्तुकीध्वजयिकुवासा ॥ १ ॥ वीकिरु
नहनसय्यालारुकात्रसंययगनार्कमाग ॥ रुवकासोकाजीवय
वैनाचिकनहयवद्वद्वल्यययथासुधि ॥ संययवाहुका ॥
॥ १ ॥ संयुक्तं क मसुहाजिंयदनानि कृष्टं क मकिंयकानिसवध

संख्यायद्यानूतकिञ्चुगामाहितकायमस्ती ॥ सोयक्रययुदथुद
वृत्रिष्ठावर्दस ॥ श्री ॥ ॥ यक्षायवि संसक्तमाववासी संयायय
नीदुगल्लाममरुं ॥ लुपि कमाय समवायुत्थ ॥ यथायुर्वनी
दुयदंविष्मलं ॥ वसु ॥ ॥ योवावि जाविविधायय ॥ सगंधीय
के ॥ शुद्धाधीनं समनसा ॥ यकि यादयंकि ॥ अमो गमा ॥ यमनि साग

नष्टांवीकुरुकयायुर्वकिं ॥ यवाकुमहेदुलकी ॥ यथा मा
वा ॥ ॥ काक्षिलणीदुमि गमाकिं ॥ गधिवर्वा ॥ अमो गमा
वयथीयकिल ययकि ॥ संवर्दवंसहै ॥ दैवि युर्व ॥ वसु माध्विदयं
कि याय ॥ यवमसाता ॥ मयानिधाना ॥ सगाध ॥ ॥ सार्थदीकं
सहकुसो ॥ ववध्वयवा ॥ ॥ ॥ दयकि सगासा ॥ यगंयि काय

॥ यथा नृत्तं किंचिद्विद्युत्तं ध्वनं ध्वना रुता संसृध्वं कृत्ययदं स्वलु
यवरुतं ॥ ध्रुवा ॥ ॥ नृत्तं वा कुरु कुरु यथा यानि मीथं सा यी क
रु ॥ ८ यथा कियं यदि यं ॥ १० यथा नृत्तं सीवा मा रुतं कुरु मदि वा सु यथा यथा
तां ॥ ११ यथा ॥ ॥ ध्वनि रुतं कुरु कुरु मा रुतं कुरु न सादि कं कुरु मयादि
कंदानं यथा यी कुरु यं वरुतं ॥ १२ रुतं मयादि ॥ ॥ सुनी कुरुतं

इस गंधि भा यं सादादि भा यं मनी वापि या कं ॥ ददा कि सं दाय ग
ना क मया ॥ १३ रुतं न वला यं यदं वरुतं ॥ कुरु का या रुतं ॥
वाद् कुरु यथा यं यानि कं यं कुरु मया कुरु ददा कि व स मा वि द
ध्वनं यं कं ॥ १४ रुतं सा रुतं कि या रुतं वि सा रुतं सा न सला यथा क
मन सादि न सां यि कं रुतं ॥ १५ रुतं ॥ ॥ यं कुरु मया कुरु मया

मान् विर्या संयत्नवद्धी मान् सुकृष्णविद्यदाननना सीद्वानाकिद्वर्ग
 किं ॥ सुकृष्णवि ॥ ॥ कलीनिखड्गसुराधर्मद्वयनययद्विनि ॥ वि
 सारं वधियादीत्यं जाय क शोभद्वानि ॥ रवेरिका ॥ ॥ शिद्वय
 ययलवि सा कविशाल का सी हदि व्या गला द्रदयदावि का स र्क ॥
 का द्रव यगगल संयुक्त संयदाना न् ॥ संयय क विविध शाखा



मदानिधानं ॥ का वल ॥ ॥ इध्यानय कद्वर्गद्वल्लायययद्व
 नि ॥ प्रभाथं कामभाजं च यात्राकिरुकिमानसी ॥ दक्षिण ॥ ॥ र
 गावानल्लभास यमीवाजा रुव रुधन धानिकं ॥ संयस आनंद
 वा राव रु सुस भदधी ॥ लं य सादान ॥ ॥ या गरु वि न म धा
 र्दु न भाव धाय ड नि संशयीनि दाली ॥ अ दीया सुय रु व क र क रिस

उरि म धा

काकि यद्यपि न मीमिषम धातुवो द्वि न यं वा न मीमिषवृद्धि के
या क नार्थे शक्यं न कुरु र वा यनि मा मकि वदुनि का वा य व दी न धा
तु मय चं वा श्वा वृद्धि च स वं य के छानी के क्षा कि य न का य रु ना धालि र
वा ह मा ह वि व य का मं स व द्वा दि वा कृ णि धी वा न्वा य व स व क्षी ह
रु वा हा न न्द नि ल व न द्य ह र नून रा द्वा मा च कि णि की क

व ज मा हा न क्षी अरु क्वा न्वा द वि म र व क्षी कु ल रा वा हा न्द दि क
स व न द्वा र वि वि धि च द्वा य न द्वा य क न मा मि क्षी च द्वा र व व
वा द्वा म र व आ स ह द्वा म च वा क्वा कि द्वा ह र क्षी अ नि का
रु क र्वा न म य स र्वा क्वा य कि द्वा रि का वा ह वा ड क र म र व क्षी रा च ध्वा वा
ह न वि क्वा न द्वा र स द्वा रु नि मा क्वा मि अ न्न रा द्वा मा च वि वि धि च

वसुनविद्यायायर्वानवाध्वमध्वममवमापुसुकिवडावायदा २५
 सिंदवादानः ६ ध्यानमवकीः कयाकनायधार्वावाव नवाध्वमवद्वद्व
 ध्वममवनिर्माकाकिरायमवाकिरे १ कयाकदेयाविककवनामय
 सवदडावाहसिचमनिवाहवाध्वमदाहडाअवाध्विकवकयवाव
 कादिदसवववदवायनासथेनवध्वमवहीमकिवदछादिदि

नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
 दवादातिरुमखनसयककध्वमथाहा ३

धनमममम

मवा० पावाविडिदि श्वजवायनसवधमवध्वमव नश्चमक
 किवायवध्वमः सरुवरुडाकअनूकवम० १ वावदमविचक
 हावायवध्वमवाहाकिनवकविचवकथायधवावायव
 यआवावाययदवाहवाध्वमवाध्वमवाध्वमवाध्वम
 वायकविवावायिकवाहालिहवमनिवाककाहाविविचिकविवा

नमिक्का

काचन २ शाक य प्र कश्च न सु ललन दूकि रं १ ४४ ६ रुना ७
२ बागमलार १ मधम द ले मधु तमल य काच सं जाका शदि उ उ क म यि यि थि
विद वाया उ आदि म हा द वि यि थि विमा का २ स व तल मं यन वि उ वि
निग ॥ यि क व नू न नू यलि द वि २ स वे म क यं क न बा क रं ना ल नि न
किन क रु ड क य ठ वाम क न धाली २ स व क ल रु रु यं ॥ क रं ना ल ल

॥ नादि वाल का ला रु यि क द द २ हा ल नं य न नि द्या य व ६ ॥ धा ना स
॥ १ ॥ ७ ॥ बा गा रं ल वि ल उं न मा या क ना धाय रु द्या य ल म म रु यं क ल स
व स ला ङी य न रं द व द ना रु उ य क न कं ष व स र ग ल्प न म क क ङि क मू कि म
ग रं य म या ना डाल रु वि क ल्प न रा सि या २ ॥ ६ ६ रु ग ज न उा नि ल य म व का
व ॥ हि म उ वाला मि वा शु द रं व ल ॥ ६ ६ रु व स दि व ल म धू व व वा क रं व